चल गोगाजी के दर पे | By Sunny Hari

चल गोगाजी के दर पे रेहमत बरस रही है.....8
लाखों की गोगा दर से किस्मत चमक रही है

तेरी दया का गोगा ना अंत ना ठिकाना
बारिश की तरह सबपे कृपा बरसाना
चल गोगाजी के दर पे रेहमत बरस रही है
चल गोगाजी के दर पे रेहमत बरस रही है

सर को झुकाये दर पे आकर खड़े हैं लाखों
सबपे तो एक जैसी तेरी नज़र रही है
लाखों की गोगा दर से किस्मत चमक रही है
चल गोगाजी के दर पे रेहमत बरस रही है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9a%e0%a4%b2-%e0%a4%97%e0%a5%8b%e0%a4%97%e0%a4%be%e0%a4%9c%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%a6%e0%a4%b0-%e0%a4%aa%e0%a5%87-by-sunny-hari/